हेपेटिक हेमेंजिओमा **(Liver or Hepatic Hemangioma)**

यह लिफ़लेट आपकी मदद के लिए है ताकि आप समझ सकें कि हेपेटिक हेमेंजिओमा (Hepatic hemangioma) क्या होता है, आपको कौन-कौन सी जांचें करवानी चाहिए और इस निदान का आप और आपके बच्चे के लिए क्या मतलब है।

हेपेटिक हेमेंजिओमा **(Hepatic hemangioma)**क्या होता है**?**

लिवर या हेपेटिक हेमेंजिओमा (HH) एक बिनाइन (गैर-कैंसर) लिवर ट्यूमर है जो छोटी रक्तसंबंधी नसों से बना होता है जिसको कभी-कभी गर्भावस्था के दौरान उल्ट्रासाउंड में देखा जा सकता है। हेमेंजिओमा शिशु में सामान्य हैं, लेकिन आमतौर पर त्वचा पर होते हैं और जन्म के बाद पता चलते हैं। हेमेंजिओमा आमतौर पर बढ़ते हैं और फिर स्वतः ही दूर हो जाते हैं। लिवर हेमेंजिओमा के दो प्रकार होते हैं: कॉन्जेनिटल हेमेंजिओमा(Congenital hemanioma) और इन्फन्टाइल हेपेटिक हेमेंजिओमा(Infantile hepatic hemangioma)। इन दोनों में अंतर यह होता है कि क्या HH जन्म के समय पूर्ण आकार में है (कॉन्जेनिटल) या जन्म के बाद बढ़ता है (इन्फन्टाइल)।

HH कैसे होता है**?**

यह स्पष्ट नहीं है कि HH क्यों होता है। अधिकांश मामलों में, HH बिना किसी पहचाने गए उत्तेजक या जोखिम कारक के बिना स्वतः हो जाता है। वैज्ञानिक तब्दीलियों पर कई सिद्धांतों का अध्ययन किया जा रहा है जो HH में रक्तसंबंधी नसों की वृद्धि का कारण क्यों होती है। HH आमतौर पर आधे गर्भावस्था में होता है इसलिए पहले उल्ट्रासाउंड में नहीं दिख सकता है।

क्या मुझे अधिक जांच करवानी चाहिए**?**

क्योंकि गर्भावस्था में HH इतनी दिखाई नहीं देती है, कभी-कभी इसे पहचानना मुश्किल हो सकता है और इसे कैंसर से गलती से मिला लिया जा सकता है। अधिकांश रोगी को विशेषीकृत उल्ट्रासाउंड और अन्य जांच करवाई जाती है ताकि यकीन हो सके। जिस जगह पर आप हैं, वहां उपलब्ध जांचें भी इन पर निर्भर करती हैं। पूछने योग्य जांचें शामिल हैं:

- फीटल एकोकार्डियोग्राफी **(Fetal echocardiography)**:एक फीटल हृदय उल्ट्रासाउंड, शिशु के हृदय को अधिक ध्यान से देखने के लिए सामान्य रूप से की जाती है। यह गर्भावस्था के दौरान हृदय की विशेष उल्ट्रासाउंड होती है।

- फीटल **MRI** स्कैन कभी-कभी ट्यूमर पर अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। यह स्कैन मजबूत चुंबकों का उपयोग करता है जो शरीर के अंदर की विस्तृत छवियां बनाते हैं। भ्रूण पर कोई विकिरण जोखिम नहीं है।

गर्भावस्था के दौरान देखने के लिए कौन-कौन सी बातें हैं**?**

कभी-कभी, HH के माध्यम से अतिरिक्त रक्त प्रवाह शिशु के हृदय पर दबाव डाल सकता है या अन्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके कारण, आमतौर पर एक्सट्रा उल्ट्रासाउंड किये जाते हैं ताकि HH का आकार जांचा जा सके और किसी भी हृदय संघात के संकेतों के लिए देखा जा सके। अगर बच्चे में हृदय विफलता या अन्य समस्याओं के संकेत हैं, तो आपका डॉक्टर शिशु को उपचार करने के लिए जल्दी डिलीवरी करने की सिफारिश कर सकते हैं।

जब यह जन्म के बाद मेरे बच्चे के लिए क्या मतलब होता है**?**

गर्भावस्था के दौरान देखे गए अधिकांश HH जन्म के समय अलक्षणी होंगे, यानी वे बच्चे के लिए कोई समस्या नहीं बनाएंगे। जन्म के बाद उल्ट्रासाउंड (और कभी-कभी CT या MRI स्कैन या रक्त परीक्षण) किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ट्यूमर एक HH है। एक बार यह निश्चित होने के बाद, बच्चे और HH का निगरानी या ध्यान रखा जाएगा। अधिकांश समय, हेमेंजिओमा स्वतः ही दूर हो जाएगा। कुछ बच्चे समस्याओं के साथ जन्म होते हैं, और कुछ HH जन्म के बाद बढ़ सकते हैं और समस्याएं पैदा कर सकते हैं। कभी-कभी, ये समस्याएं गंभीर हो सकती हैं, लेकिन यह असामान्य है। अगर आवश्यक हो, HH के लिए उपचार उपलब्ध हैं।

अन्य कौन-कौन सी सवालें मैं पूछ सकती हूँ**?**

- हेपेटिक हेमेंजिओमा कितना बड़ा है?

- उल्ट्रासाउंड पर क्या कोई संकेत हैं कि यह बच्चे को प्रभावित कर रहा है?

- मैं अल्ट्रासाउंड परीक्षण कितनी बार करवाऊं?

- मुझे कहां डिलीवरी करनी चाहिए?

- बच्चा जन्म के बाद सर्वश्रेष्ठ देखभाल कहां प्राप्त करेगा?

- क्या मैं अपने बच्चे की जन्म से पहले उसकी देखभाल करने वाले डॉक्टरों की टीम से पहले मिल सकती हूँ?